मैथिली फिल्म 'हमर अपन गाम, अपन लोक' क मुहूर्त | मैथिली मे पहिल ई-पेपर | एहि ठाम छठ व्रती छथि मुस्लिम महिला

- पटना, 5 नवंबर,2008
- साप्ताहिक
- अंक- 14
- साल-1
- इन्टरनेट संस्करण

समाद

छठ पर जिज्ञासा

प्रश्न : छठ व्रत कहिया स शुरू भेल

उत्तर : अंग प्रदेश स

प्रश्न : सबस पहिल छठ व्रती कए छल

उत्तर : सूर्य आ कुंती पुत्र कर्ण

प्रश्न : छठी माता कए छलिह

उत्तर : छठी माता कुंती छलीह।

प्रश्न : भाष्कर के अर्ध किया देल जाइत अछि

उत्तर : कलंक, लांछन आ आरोप स मुक्ति लेल

प्रश्न : कर्ण किएक केलथि छठ

उत्तर : पांच पुत्रक माई कए छठ मातक कलंक स मुक्त करबा लेल

प्रश्न : छठक मंत्र की अछि

उत्तर : छठ व्रती लेल कोनो मंत्र नहि अछि

प्रश्न : छठ कए करि सकैत अछि

उत्तर : सब जाति आ धर्मक लोक जेकर सूर्य पर आस्था अछि।

प्रश्न : छठ मे कथिक ध्यान रखबाक चाहि

उत्तर : मात्र सूचिताक अर्थात पवित्रताक

एहि ठाम छठ व्रती छथि मुस्लिम महिला

पाइन मे ठार भ हाथ जोड़िकए छठी मैया क स्मरण करि भगवान सूर्य कए प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करैत मुसलिम समुदाय कए देख धर्म आ क्षेत्रक नाम पर हिंसा स कनैत भारत किछु काल लेल भौंचक आ आह्लादित भ जाइत अछि। पाइन मे हाथ जोड़ि नमन क मुद्रा मे हिनका ठार देखि हिंदू छठ वर्ती सेहो हिनकर आस्था कए नमन करैत छथि। अल्पसंख्यक छात्रावास मे शौकत अली कहैत अछि जे ई मिथिला थीक, एहि ठाम हिंदू-मुसलमान परिवार क प्रेम देखबा लेल भगवानो अबैत छथि आ अल्लाह सेहो। एकहि कोठली मे पूजा आ इबादत करबाक पुरान रिवाज रहल अछि।

मधेपुरा । धर्म आ क्षेत्रवाद क नाम पर भ रहल हिंसा आ नफरत क भयावह खेल स अछूत बचल बिहारक मिथिला प्रांत एहनो भारत कए एक डोर मे बंधबा लेल बहुत किछु सिखा रहल अछि। हिंसाक दंश कए रोकबा लेल आस्था, विश्वास आ सुकून पूरा भारत एहि आंचल स सीख सकैत अछि। लोक आस्था क पर्व छठ कए ल कए भ रहल राजनीति कए चाहे महाराष्ट्र मे जे रंग देल जाए, मुदा मधेपुराक मुस्लिम महिला राज ठाकरे सन सनकल नेता कए करारा जवाब देबा लेल काफी छथि। समाज कए धर्म आ जाति मे बंटबाक लाख प्रयासक बावजूद मधेपुराक मुस्लिम महिला लोक पर्व छठ करबा मे मग्न छथि।

अल्पसंख्यक छात्रावास स्थित शिविर मे शरण लेने कुछ मुस्लिम महिला कए छठ व्रती हेबाक चर्चा एहि ठाम लेल कोनो अचंभा नहि अछि। शकीना खातून कहैत अछि जे हुनका लगातार पांच टा बेटी भेलनहि, फेर ओ छठी मैया स मन्नत मांगलथि जे बेटा देब त व्रत करब। हुनक मन्नत पूरा भेल आ आई हुनका दू टा पुत्र अछि। लिहाजा पिछले नौ साल स लगातार ओ छठ मे व्रत रखैत छथि। एहिना निलोफर खातून क कहब छल जे हुनकर पूतहु कए डाक्टर ने मरल बता कए इलाज तक करबा स मना करि देने छल।

छठ पर्व पर ओ पानी मे जाकर मन्नत मांगलथि जे पूतहु ज्यों ठीक भ गेलथि त व्रत राखब। आई हुनकर पूतहु पूर्ण स्वस्थ छथीन, आ साउस संग शायरा सेहो छठ मे व्रती छथि। मरजीना, शायरा आ नाजो खातून सन कईटा महिला छथि जे सांप्रदायिक एकता और धार्मिक सहिष्णुता क जीवंत मिसाल कहल जा सकैत छथि।

बहुत एहनो मुस्लिम परिवार अछि जे अपने त छठ नहि करैत अछि, मुदा पड़ोस क हिंदू परिवार कए सबटा पूजन सामग्री उपलब्ध करा छठ मे शामिल होइत अछि। हिंदू क भांति छठ से नौ दिन पूर्व स एहि ठामक पूरा मुसलिम समाज सेहो मांस, मछली, अंडा आदि स परहेज करैत अछि ।

मैथिली फिल्म 'हमर अपन गाम, अपन लोक' क मुहूर्त

केवटी (दरभंगा)। मैथिली फीचर फिल्म 'हमर अपन गाम, अपन लोक' क मुहूर्त एहि ठाम आयोजित एकटा समारोह मे भेल। प्रखंड क केवटी थानान्तर्गत खराज गांव स्थित श्यामा मंदिर मे भेल समारोह क अध्यक्षता फिल्म क कार्यकारी निर्माता नवो कुमार झा केलथि। फिल्म क मुहूर्त विधायक डॉ अशोक कुमार यादव स्क्रीप्ट क फीता काटि कए केलथि।

मैथिली फिचर फिल्म कए पटकथा लेखक प्रेम सागर, निर्देशक मनोज झा व निर्माता कल्याणी झा, कार्यकारी निर्माता नवो कुमार झा छथि। झाक अनुसार एहि सिनेमा मे अभिनेता पिंकू श्रीवास्तव व सपन कुमार, अभिनेत्री जूली कुमारी, खलनायक मनोज राणा, छायांकन उपेन्द्र कुमार आ संगीतकार परमानंद मकुनमा छथि, जखन कि एहि सिनेमा लेल गायक कुमार शानू, मो अजीज, अनुराधा पौडवाल, रेखा राव, जया मजूमदार, परमानंद मकुनमा अपन आवाज देने छथि। एहि फिल्म मे खासकर खराज, रैयाम चीनी मिल, खजौली, सुक्की डैम, राजनगर आ मधुबनी आदि जगहक दृश्य देखबा मे भेटत।

आप्रवासी मैथिलक कथा अछि एहि सिनेमा मे

मुहूर्तक मौका पर राम कुमार रामांकू, जगदीश मंडल, राजेन्द्र चौपाल, जय प्रकाश झा, राजीव कुमार मिश्र राजू, मुन्ना सिंह, संजय कुमार, नवीन झा, विनोद यादव, मणिकांत झा क अलावा फिल्म क निर्माता कल्याणी झा सहित कलाकार व गणमान्य लोग मौजूद छलथि। एकर संगहि विधि व्यवस्था क कमान सअनि पारसनाथ शुक्ला धेने छलाह। सिनेमाक कार्यकारी निर्माता स्थानीय गांव निवासी कल्याणी झा व नवो कुमार झा कहलथि जे कल्याणी इंटरमेंट क बैनर तर मैथिली फिचर फिल्म 'हमर अपन गाम, अपन लोक क निर्माण चलि रहल अछि। एहि मे मिथिला क लोक खास कए बाढ़, सुखाड़, बेरोजगारी क कारण पलायन करबाक उपरांत अपन माइट क लगाव मे कमी नहि होएबाक एहसास करबैत एहन प्रवासी लोक क आह्वान कैल गेल अछि जे अपन संस्कृति कए बिसरी चुकल छथि। करीब 40 लाख क राशि स निर्माणाधीन एहि फिल्म क शूटिंग 5 नवंबर स प्रारंभ भ गेल अछि।

पटना स छपत दैनिक समदिया

पटना : समदिया नामक मैथिली दैनिक पटना स प्रकाशित हुए जा रहल अछि। प्रकाशक आ मुद्रक राघवेंद्र क अनुसार एहि दैनिकक प्रकाशन एहि सालक अंत अथवा अगिला सालक दोसर हफ्ता स भ जाइत। राघवेंद्र एहि स पहिने प्रभात खबर क पटना आ धनबाद संस्करणक संपादक रहि चुकल छथि। ओ ईटीवी बिहार आ एमएच-वन सन चैनल मे महत्वपूर्ण पद पर काज केलाक अनुभव सेहो रखैत छथि। प्रस्तावित अखबार प्रबंध संपादक अखिलेश क अनुसार अखबारक डमी निकालल जा रहल अछि आ एकर रूप-सज्जा लेल विशेष टीम लागल अछि। कुल आठ पन्नाक एहि अखबार मे दू टा रंगीन पेज रहत। मिथिला कए ध्यान मे राखि एहि मे नेपालक एकटा पन्ना आरक्षित केल गेल अछि।

हमर कहब अछि | अनिल पाठक

राज 'नीति' स उपजल किछु सवाल

महाराष्ट्र मे राज ठाकरे क पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) द्वारा उत्तर भारतीय क खिलाफ जाहि प्रकार स हिंसात्मक आंदोलन शुरू भेल अछि, ओ एक नहि कई टा मौलिक सवाल ठार करि देलक अछि। सबस पहिल सवाल ई जे कि महाराष्ट्र भारत क राज्य नहि भ कए देश विशेष क श्रेणी मे आबि गेल अछि, जे कोनो दोसर राज्य क निवासी कए ओतए जेबा लेल पासपोर्ट आओर वीजा क जरूरत होए? कि लोकतंत्र क मतलब ई रहि गेल अछि जे क्षेत्रवाद क राजनीति क सहारे सत्ता क गलियाराक ऊपरका सीढ़ी पर पहुंचबाक लेल जनता कए हिंसा मे धकेल देल जाए? या फेर क्षेत्रवाद क नाम पर भड़काऊ भाषण दे कए एकहि देश क लोक मे अलग-अलग राज्य क निवासी हेबाक कारण एक-दोसरक प्रति नफरत क भावना पैदा करि देल जाए? एहि स प्रतीत होइत अछि जे राज 'फूट डालो राज करो' क गंदा नीति क अनुसरण करि रहल छथि। हुनकर ई नीति एकटा जटिल सवाल ठार करि देलक अछि जे राज ठाकरे कए उत्तर भारतीय कए खिलाफ आगि उगलैत पूरा देश देखलक, ओकर खिलाफ कार्रवाई क लेल न्यायालय कौन सबूत क बाट ताकि रहल अछि? एहने कईटा सवाल अछि, जेकर जवाब देश क जनता ताकि रहल अछि।

आखिर एहन नौबत इाइल किया? किया लोक अपन राज्य, घर, परिवार कए छोड़ि कए दोसर राज्य क दिस पलायन करैत अछि? एहि सवाल क जवाब ई नहीं अछि जे पिछला 15-20 सालक दौरान बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड जेहन राज्य क समुचित विकास नहि भेल या फेर रोजगार क सृजन नहि भेल, बल्कि एकर पाछु ई भावना भ सक्ैत अछि जे पूरा देश कए अपन घर बुझयवाला उत्तर भारतीय लोक एतेक सुध होई छथि जे राज ठाकरे क घृणा कए सेहो हुनकर 'नाराजगी' बुझैत महाराष्ट्र स अपन प्रेम कए कम नहि करि पाबि रहल छथि आ महाराष्ट्र क विकास मे अपन योगदान दे रहल छथि। एहि भाव क अंदाजा बॉलीवुड क बादशाह अमिताभ बच्चन क ओहि बयान स लगाउल जा सकैत अछि जे मुम्बई हमार कर्मभूमि छी। ई भूमि हमरा पाललक अछि आ रोजी-रोटी देलक अछि। बिग बी क ई बयान स बुझबा मे आबि सकैत अछि जे हुनकर मन मे जे श्रद्धा आ सम्मान क भाव छैन ओहन भाव शायद राज ठाकरे क मन मे नहि भ सकैत अछि। कि राज ठाकरे एहि गपक जवाब द सकैत अछि जे उत्तर भारतीय क खिलाफ आंदोलन मे कि ओ महाराष्ट्र कए पाछु ल जेबाक काज नहि कए रहल अछि? कि एक दिन क महाराष्ट्र बंद क दौरान होई वाला आर्थिक नुकसान क अंदाजा नहि छैन हुनका? कि हुनकर एहि आंदोलन मे मराठी शिकार नहि भ रहल अछि? एहि सबस बढ़िकए कि हुनकर एहि राजनीति स हुनकर सन दोसरे लोक आगू नहि आबि सकैत अछि, जे काल्हि महाराष्ट्र में मुंबई, पुणे आ नासिक क नाम पर आंदोलन करय? तखन राज ठाकरे की करताह? ज्यों राज ठाकरे इ कहि रहल छथि जे बिहार आ उत्तर प्रदेश क नेता राज्य कए आगू ल जेबाक बजाय पाछु ल गेलाह अछि, त कि ओ ई बता सकैत छथि जे एखन ओ अपने कि करि रहल छथि? जाहि तरहें राज ठाकरे उत्तर भारतीय कए महाराष्ट्र मे एबा पर आपत्ति जतबैत छथि, हिंसात्मक आंदोलन करैत छथि, ओहि स लगैत अछि जे आब महाराष्ट्र जेबा लेल वीजा-पासपोर्ट बनबय पड़त। यदि राज ठाकरे वास्तव मे एहन चाहैत छथि त हुनका सबस पहिने महाराष्ट्र कए एक अलग देश क दर्जा देबाक मांग करबाक चाही?

अगर ओ ई मांग नहि करि सकैत छथि, त महाराष्ट्र सहित पूरा देश क लोक स हुनका माफी मंगबाक चाही। सिर्फ एतबा कहि देला स कि हम उत्तर भारतीय क विरोधी नहि छी, बल्कि अपन महाराष्ट्रीयन भाई क हित क लेल चिंतित छी, स मृत लोक क जीवन क क्षति पूर्ति नहि भ सकैत अछि। भारतीय जनता कए ई ज्ञात अछि जे ई सबटा खेल वोट बैंक क राजनीति अछि। एहि लेल एकरा पर सेहो विचार- विमर्श जरूरी अछि।

दरअसल, राज ठाकरे अपन कका बाल ठाकरे क पद चिन्ह पर चलबाक कोशिश करि रहल छथि। बाल ठाकरे वर्ष 1966-67 मे दक्षिण भारतीय क खिलाफ एहने आंदोलन केने छलाह। पिछला 40 साल मे बाला साहब ठाकरे महाराष्ट्र स आगू नहि बढ़ि सकलाह। हुनकर राजनीति महाराष्ट्र तक सिमटल रहि गेल। तहिना राज ठाकरे सेहो जे राजनीति शुरू केलथि अछि, ओहि स साफ जाहिर होइत अछि जे हुनकर सोच सेहो महाराष्ट्र कए आगू ल जेबाक नहीं, बल्कि महाराष्ट्र कए पाछु ल जाकए अपन ***स्थानीय निजी स्वार्थ*** सिद्ध करबाक अछि।

जाहि तरहें राज ठाकरे कहि रहल छथि जे उत्तर भारतीय क कारण मराठी क लेल रोजगारक अवसर कम भ रहल अछि, ओहि गप मे सेहो दम नहि अछि, किया कि आई एहि गप स कोई इनकार नहि करि सकैत अछि जे महाराष्ट्र क विकास मे उत्तर भारतीय क अहम योगदान रहल अछि। एकर अलावा राज ठाकरे कए ई सेहो सोचबाक चाहि जे बहुत मराठी क रोजी-रोटी महाराष्ट्र से बाहर दोसर राज्य आ देशों म चलि रहल अछि, अगर हुनकर संग एहन कोनो व्यवहार शुरू भ जाए त हुनका केहन लागत। ई अलग गप अछि जे देश मे दोसर राज ठाकरे नहि अछि आ भगवान करथि जे हेबो नहि करय, किएक जे ई देश हजारों प्राण देलाक बाद आजाद भेल अछि।

इस्तीफाक राजनीति स धधकल बिहार

त इस्तीफा देताह जदयू सांसद

पटना। मनसे क उत्तर भारतीय क प्रति नफरत क राजनीति क जवाब मे जदयू आगू बढ़ि कए दबाव क राजनीति क बाट चुनलक अछि । राज्य क सबटा छह टा जदयू सांसद अल्टीमेटम देलथि अछि जे मनसे प्रमुख राज ठाकरे कए अगर 6 नवंबर तक गिरफ्तार नहि कैल गेल त 7 नवंबर कए ओ सामूहिक इस्तीफा द देताह। हालांकि इस्तीफा क राजनीति क पाछु अपन संसदीय क्षेत्र मे खिसकते जनाधार कए समेटबाक कोशिश सेहो कतहु नहि कतहु परिलक्षित भ रहल अछि। जदयू क प्रदेश अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह आ सांसद प्रभुनाथ सिंह राजीनीतिक नैतिकता क पुट दैत कहलाह जे महाराष्ट्र मे खासकर बिहारी पर भ रहल लगातार हमला क स्थिति मे हमरा सन लोक कए सांसद बनल रहबाक कोनो हक नहि अछि। ओ उम्मीद जतउलथि जे एहि स केंद्र सरकार पर दबाव बढ़त आओर ओ राज ठाकरे पर कार्रवाई करत। ओ कहलथि जे सामूहिक इस्तीफा क फैसला जदयू संसदीय बोर्ड क बैठक मे लेल गेल अछि । हम मनसे क गतिविधि आ राहुल राज क हत्या क न्यायिक जांच क मांग सेहो करैत छी। ओ कहलथि जे आब बर्दाश्त क हद भ चुकल अछि। पाइन माथ स ऊपर जा चुकल अछि। नेताद्वय शिव सेना प्रमुख बाल ठाकरे तथा हुनकर संगठन पर सेहो कार्रवाई क मांग केलथि। कहलथि, मनसे पर फौरन प्रतिबंध लगाउल जाए। ओ देश क लेल पैघ खतरा अछि। ओ राज ठाकरे कए सबस पैघ आतंकी कहलथि, संगहि कहलथि जे राज ठाकरे कए देल जा रहल संरक्षण घातक अछि। हुनक कहब छल जे सांसदक इस्तीफा लोकसभा अध्यक्ष कए सौंपल जाइत। गौरतलब अछि जे मुंबई में बिहारी पर लगातार भ रहल हमला क कारण बिहार क सब टा सांसद स इस्तीफा देबाक मांग विभिन्न संगठन उठा रहल अछि। जदयू क एहि घोषणा क बाद राज्य मे एकाएक अन्य दल पर सेहो त्याग-पत्र देबा लेल दबाव बढ़ि गेल आ राज्य मे कांग्रेस समेत सबटा दल अपन सांसदक त्याग-पत्र लेबाक घोषणा करय लागल। देखबाक अछि जे कोन दल आ कोन नेता कखन अपन त्याग-पत्र लोकसभाक अध्यक्ष कए सौंपला लेल पहुंचैत छथि।

तखन त हमहु देब इस्तीफा : शकील

पटना। महाराष्ट्र मुद्दा पर राज्यक राजनीति गरम अछि। रेल मंत्री लालू प्रसाद अपन सांसद आ विधायक क इस्तीफ क एलान कि केलथि प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह स मिलबा लेल गेल सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल मे शामिल मधुबनी स कांग्रेस सांसद डॉ शकील अहमद सेहो अपन त्यागपत्र क घोषणा करि देलथि। डॉ शकील कहलथि जे पहिने बिहार, तखन सरकार। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री क कहब अछि जे महाराष्ट्र मे राज्यक लोक संग भ रहल बर्ताव कए ल कए सब दल क नेता प्रधानमंत्री स भेंट करि चुकल छथि। प्रतिनिधिमंडल मे हम केन्द्र सरकार क नहि, प्रदेश क प्रतिनिधित्व केने रही। बिहार क हित क सवाल पर जखन सब दल के प्रतिनिधि त्यागपत्र देबाक फैसला ल चुकला अछि त ओ सेहो एकटा बिहारी सांसद हेबाक फर्ज अदा करताह आ अपन सदस्यता स त्याग पत्र देबा स पाछु नहि हटताह। 15 नवंबर स पूर्व ओ अपन त्यागपत्र नेतृत्व कए सौंपि देताह।

15 तक राजद क सांसद-विधायक छोड़ि देताह पद

पटना। राजद सुप्रीमो आ रेल मंत्री लालू प्रसाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित सब दल क लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा व विधान परिषद क सदस्य स बिहार क मान-सम्मान क लेल सदन क सदस्यता स इस्तीफा द दलविहीन बैनरक तर राष्ट्रीय एकता व अखण्डता पर उत्पन्न खतरा क खिलाफ देशव्यापी अभियान छेड़बाक आह्वान केलथि अछि। प्रसाद क कहब छल जे हम पहिने भारतीय छी, तकर बाद किछु आओर। ओ कहलथि जे राजद क 24 लोकसभा, चार राज्यसभा, 55 विधानसभा आ 15 एमएलसी 15 नवम्बर से पहिने अपन इस्तीफा सौंपि देताह। रेल मंत्री कहलथि जे हुनकर लोजपा अध्यक्ष एवं केन्द्रीय उर्वरक व रसायन मंत्री रामविलास पासवान और केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री शकील अहमद स सेहो एहि संबंध मे गप भ चुकल अछि। केन्द्रीय मंत्रिमंडल मे शामिल बिहार क सब मंत्री एक संग इस्तीफा देबा लेल तैयार छथि। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी सेहो अपन दल क सांसद आ विधायक क इस्तीफा सौंपउथ। रेल मंत्री क अनुसार एहि स देशभर मे संदेश जाइत जे हम बिहारी एक छी।

रेल मंत्री नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी क आवास पर प्रदेश राजद अध्यक्ष अब्दुलबारी सिद्दीकी, विधायक रमई राम, शकील अहमद खां, जगदानन्द व श्याम रजक क उपस्थिति मे ई घोषणा केलथि। ओ कहलथि जे महाराष्ट्र मे बिहारी युवक क संग भेल मारिपीट आ हत्या क घटना पर मुख्यमंत्री सर्वदलीय बैठक केलथि। एकर बाद एहि मुद्दा पर प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह स भेंट करबा लेल नीतीश कुमार क नेतृत्व प्रदेश क सब दल क नेता दिल्ली गेलथि। एहि स देशभर मे एकटा नीक संदेश गेल जे बिहारी क सम्मान लेल सब दल क लोग एकजुट छथि, लेकिन एकर विपरीत नीतीश कुमार क निर्देश पर जदयू क लोकसभा सदस्य क महाराष्ट्र क घटना पर इस्तीफा क अलग स एलान करब दुखी केलक आ धोखा लागल। एहि एकतरफा निर्णय क आशा नहि छल। ई सर्वदलीय एकता कए तोड़बाक प्रयास अछि। लगैत अछि जेना ओ नाटक छल। जखन लोकसभा चुनाव मे किछु दिन शेष अछि, तखन एहि प्रकार स इस्तीफा क महत्व नहि रहि जाइत अछि। सच पूछु त असगर जदयू क तीन टा लोकसभा सदस्यक त्याग-पत्र स कोनो दबाव नहि बनत। मुदा बिहारक सबटा सांसदक त्याग-पत्र स सरकार आ देश पर प्रभाव निश्चित अछि। ओनाओ महाराष्ट्र क घटना पर सर्वदलीय बैठक भ चुकल अछि, तकरा बाद एहन निर्णय सेहो सर्वदलीय बैठक मे लेबाक चाही। हमरा विश्वास अछि जे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हमर एहि मत स सहमत हेताह ।

छठ करबा लेल पटना पहुंचल लालू प्रसाद जे किछु कहि रहल छलाह ओ हुनकर मन स निकलल आवाज छल। ओ बेर-बेर कहलथि जे शासन बहुत दिन करि लेलहुं। आब राष्ट्रीय एकता व अखण्डता संग-संग बिहारी सम्मान क लेल काज करबाक अछि। सब दल क नेता कए लोकनायक जयप्रकाश नारायण क मूर्तिक आगू किरिया खेबाक चाही जे देश कए खण्डित करबा लेल प्रयासरत ताकत क खिलाफ माहौल बना कए देशभरि मे अभियान चलाउल जाए। इ तय हेबाक चाही जे कियो बाल ठाकरे या राज ठाकरे क पार्टी स गठबंधन करत ओकरा देशतोड़बा मे मददगार मानल जाए। नीतीश कुमार स्थिति स्पष्ट करथु आ हरदम लेल एहन तत्व स सम्बन्ध विच्छेद करथु। एहि स कम मे काज नहि चलत। एहि स काज नहि चलत जे नीतीश कुमार चौटाला क रैली मे स्वयं त भाग नहि लेलथि मुदा जदयू अध्यक्ष शरद यादव कए पठा देलथि, कि ओ शरद यादव कए बिहार मूलक नहि मानैत छथि या जदयू बिहारक सदस्य नहि मानैत छथि। आखिर जहि आधार पर नीतीश नहि गेलाह ओ आधार त शरद यादव संग सेहो लागू हेबाक चाही।

लालू कहलथि जे हुनकर लड़ाई महाराष्ट्र क जनता आ किसान स नहि अछि। शहर मे रहनिहार चन्द गुण्डा स अछि। रेल मंत्री क अनुसार बिहारी क त सब ठाम पिटाई भ रहल अछि। एहन गुंडा अपन कृत पर गर्व क अनुभव करि रहल छथि। ओ पत्रकार कए शिवसेना क मुखपत्र 'सामना' मे बिहारी क खिलाफ प्रकाशित सम्पादकीय क हिन्दी अनुवाद आ नीतीश कुमार क नेतृत्व मे प्रधानमंत्री कए समर्पित ज्ञापन क प्रति उपलब्ध करउलथि। लालू कहलथि जे ज्ञापन भाजपा नेता नन्द किशोर यादव क आवास पर तैयार भेल छल। भाजपा क दबाव मे ज्ञापन मे शिवसेना व राज ठाकरे क कतहु नाम तक नहि लेल गेल। एहि स ज्ञापन क महत्व समाप्त भ गेल। आखिर कोन व्यक्ति आ संगठनक ऊपर कार्रवाई क मांग केल गेल। ओ कहलथि जे मुम्बई स रिजर्व बैंक सहित अन्य संस्था क मुख्यालय हटेबाक मांग भ रहल अछि। एहन मांग हम पहिने स कए रहल छी।लोग करते रहे हैं।

आखिर कहिया आउत फैसला

'ललित नारायण मिश्रक हत्या एकटा सामान्य घटना नहि छल. हुनक हत्या एकटा शहरक सपनाक हत्या छल. सीबीआइ 33 साल स जांच करि रहल अछि, 33 साल स दरभंगा अपन एहि नेताक हत्या स परदा उठबाक बाट तकैत अछि.'

दरभंगवी

पूर्व रेल मंत्री ललित नारायण मिश्र हत्याकांड पर पिछला 33 साल स विभिन्न कोर्ट सुनवाई करि रहल अछि. सीबीआइ लग इ एहन सबस पुरान मामला अछि जेकर निबटारा एखन धारि नहि भ सकल अछि. ललित बाबू हत्याकांड देशक पहिल मामला अछि जेकर सुनवाई सुप्रीम कोर्ट बिहार स बाहर करबाक निर्देश देलक. कहल गेल जे बिहार मे एहि मामला निष्पक्ष जांच नहि भ सकत आओर सबूतक सुरक्षा पर खतरा अछि. ताहि लेल एहि मामलाक सुनवाई पटनाक स्थान पर दिल्लीक पटियाला कोर्ट मे हेबाक चाही, बाद मे एहि मामला के तीस हजारी कोर्ट मे स्थानांतरित करि देल गेल. संगहि सात जनवरी, 1975 के दर्ज एहि मामलाक जांचक जिम्मा सीबाआइ के सौंप देल गेल.

पिछला 33 साल मे ममलाक एकटा मुख्य आरोपित आ बचाव पक्षक चारि टा वकीलक निधन भ चुकल अछि. 17 दिसंबर, 1979 स दिल्लीक तीस हजारी कोर्ट मे एकर सुनवाई चली रहल अछि. एहि स पहिने पटना मे एकर सुनवाई चलि रहल छल. सात जनवरी , 1975 स 17 दिसंबर, 1979 तक पटना मे चलल सुनवाई क दौरान बचाव पक्ष क मात्र तीन टा गवाहक गवाही भेल छल. आना एखन एहि मामलाक रोजना सुनवाई भ रहल अछि. कोर्ट स भेटल जानकारीक अनुसार एहि मामला मे एखन धारि करीब 156 गोटे अपन गवाही द चुकला अछि. जाहि मे जनवर, 1994 स 2002 के बीच कुल आठ मे स पांच टा मुख्य आरोपित क गवाही भेल. एहि मे संतोष आनंद, सुधोव, गोपालजी, अतेश आनंद आ रंजन द्वीवेदी प्रमुख छथि. पिछला गवाही पत्रकार आ पूर्व मंत्री अरूण शौरीक भेल अछि. हुनक अनुसार 1975 मे एहि मामला स संबंधित दू टा आलेख ओ इंडियन एक्सप्रेस मे लिखने रहथि. एना करि कए अधिकतर गवाह एहि मामला मे कोनो खुलासा करबाक कोशिश नहि केलक अछि. करीब 11 हजार पन्नाक स बेसी लंबा एकर सुनवाई भ चुकल अछि, मुदा एखन धारि कुछ प्रश्नक उत्तर नहि भेट सकल अछि, सीबीआइ दिस स सबस बेसी एहि बातक चर्चा भेल जे आखिर पूर्व रेलमंत्री ललित नारायण मिश्र कए समस्तीपुर मे छोट अस्पताल रहबाक बावजूद बिना प्राथमिक उपचार के दानापुर किया आनल गेल. सीबीआइ के कहब अछि जे दरभंगा स सांसद श्री मिश्र कए समस्तीपुर स आधा घंटाक दूरी रहितो दरभंगा नहि ल जाइल गेल, जाहि ठाम इलाजक बेहतर सुविधा छल. सीबीआइ आश्चर्य जतबैत रहल जे पटना सन स्थान पर रूकबाक बजाय दानापुर जेबाक रेल प्रशासनक सोचक पाछु की तर्क रहल. सीबीआइ एहि तथ्यक जांच आइ धारि पूरा नहि करि सकल जे समस्तीपुर मे ललित बाबू स गंभीर स्थिति हुनक भाई जगन्नाथ मिश्रक छल, जे एहि हत्याकांडक कनि दिन बाद बिहारक मुख्यमंत्री बनलाह. सीबाआइ क दस्तावेज कहैत अछि जे ललित बाबू मोकामा तक चलैत अवस्था मे छलाह, त दानापुर पहुंचैत-पहुंचैत हुनक मौत केना भ गेल. सीबीआइ एहि मामलाक एकटा महत्वपूर्ण तथ्य कए ल कए सेहो आश्चर्य जतबैत रहल जे गंभीर रूप स घायल रेलमंत्रीक विशेष ट्रेन समस्तीपुर स दाना. पुर क बीच करीब 150 किमीक दौरान बेर-बेर किएक रोकल गेल.

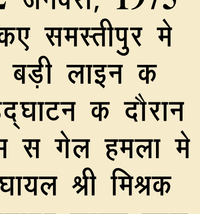

2 जनवरी, 1975 कए समस्तीपुर मे बड़ी लाइन क उद्घाटन क दौरान बम स गेल हमला मे घायल श्री मिश्रक दानापुर जाइत काल रस्ता मे निधन भ गेल छल

बिहार मे विकासक राजनीतिक जन्मदाता श्री मिश्रक हत्याक पाछू आनंदमार्गी सबहक हाथ बताउल जा रहल अछि. किछु गोटे एकरा राजनीतिक हत्या मानि रहल छथि. एहन लोक क कहब अछि जे श्री मिश्र कांग्रेस मे काफी मजबूत भ गेल छलाह, रूस स हुनक नजदीकी कांग्रेसक किछु नेता लेल परेशानी बनि गेल छल. एहि संदेहक पाछू तर्क देल गेल जे 2 जनवरी, 1975 कए जखन समस्तीपुर मे श्री मिश्र पर बम स हमला भेल, तखन बिना कोनो तय कार्यक्रम कए प्रधानमंत्री कार्यालयक एकटा पैघ अधिकारी बेगूसराय मे छलाह. कहल जाइत अछि जे ओ अधिकारी रामविलास झाक संपर्क मे छलाह. श्री मिश्रक एकटा संबंधीक कहब अछि जे ललित बाबू कए दानापुर ल जेबाक निर्णय दिल्ली स आइल छल. मुदा प्रश्न उठैत अछि जे जखन ललित बाबू होश मे छलाह आओर गप करैत छलाह त ओ दानापुर जेबा लेल तैयार केना भेला? सवाल बहुत अछि, मुदा उत्तर क बाट तकैत आब आंखि पथरा रहल अछि.

जारी

समाद | पटना, 5 नवंबर, 2008

पटना स आगू त देखू
सबटा शिक्षण संस्थान पटना मे खोलबाक नीति धातक

केंद्र सरकार बिहार मे एकटा केंद्रीय विश्वविद्यालय खोल. बाक फैसला लेलक अछि। बिहार सन राज्य लेल इ एकटा सपना के साकार होएब जेकां अछि। वर्तमान यूपीए सरकार एहि स पहिने सेहो बिहार में आइआइटी आ नाइपर सन संस्थान खोलबाक कार्य केलक। बिहार सरकार सेहो नालंदा विवि के स्थापना केलाक बाद चाणक्य आओर आर्यभट विवि खोलबाक फैसला केलक अछि। बिहार मे उच्च आओर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा क लेल उठाउल जा रहल एहन समस्त डेग के स्वागत अछि, मुदा एकरा लेल स्थानक चयन प्रक्रिया एकटा नव विवादक जन्म द रहल अछि। नालंदा विवि कए छोड़ि सबटा संस्थान पटना या पटनाक आसपास क इलाका मे स्थापित केल जा रहल अछि। एहि पर सबसे पहिने विवाद दरभंगा कए ल कए उठल। केंद्रीय मानव संसाधन राज्य मंत्री आ दरभंगा स सांसद एमएए फातमी बिहार लेल आवंटित आइआइटी कए दरभंगा मे स्थापित नहि करा सकलाह, राज्य स्तर पर किछु नेता आ दिल्ली मे बैसल नौकरशाह लोकनि एकर विरोध केलथि। सवाल हुनक विरोधक नहि अछि, सवाल विरोधक आधार पर अछि। दरभंगा मे आइआइटी एहि कारण स स्थापित नहि भेल किएक त दरभंगा वायु मार्ग स जुड़ल नहि अछि। पटना मे आइआइटी खोलबाक पाछू मात्र एकटा आधार बताउल गेल जे पटना मे हवाईअड्डा छैक। कुल मिला कए दरभंगा मे बिहारक सबसे पैघ हवाई पट्टी रहितो कोनो काज नहि आयल आ आइआइटी पटना मे खोली देल गेल। तहिना नालंदाक पुनर्जागरण के नाम पर नालंदा विविक स्थापना केल गेल, मुदा एक जमाना मे न्याय शास्त्र क सबसे पैघ केंद्र रहल मधुबनी क स्थान पर पटना मे विधि विवि खोलबाक फैसला लेल गेल। तहिना आर्यभट तकनीकि विवि सेहो पटना मे खोलबाक प्रयास भ रहल अछि। एकर संग पटना मे आइआइएम क तर्ज पर प्रबंधन संस्थान खोलल जा रहल अछि। पटना मे पहिने स एलएन मिश्र प्रबंधन संस्थान आओर एनआइटी सन तकनीकि संस्थान अछि, एहन मे पटना मे दोसर संस्थान खोलबाक निर्णय सरकार के पटना केंद्रित विकास नीति कए देखार करि रहल अछि। एहन नीति राज्यक लेल घातक अछि। किछु लोक पहिने स अलग मिथिला राज्य क मांग उठा रहल छथि, सरकारक पटना केंद्रित नीति हुनक आंदोलन के हवा देत। बिहार मे लोक झारखंड बनलाक बाद इ देख चुकल अछि जे राज्यक समग्र विकास नहि भेला स केना विकसित क्षेत्र अपना कए अलग करि लैत अछि। बोकारो क विकास बरौनी स बेहतर करबाक पाछू जे मकसद रहल हुए, मुदा आइ बिहार मे एक मात्र आद्यौगिक नगर होएबाक क्षमता रखितो बरौनी मे फर्टिलाइजर आ अन्य कंपनी बंद अछि। मुजफफरपुर, कटिहार, भागलपुर सन अनेक एहन स्थान अछि जाहि ठाम आइआइटी अथवा आइआइएम सन संस्थान खोलल जा सकैत अछि आ बिहार मे संतुलित विकासक मार्ग खुलत। सब किछु पटना मे खोलबाक नीति कखनो बिहारक हित मे नहि अछि। बिहार मे पटनाक अलाबा अनेक एहन शहर अछि जेकर अपन गौरवशाली इतिहास रहल अछि, ओकर विकासक बिना बिहारक विकास कथापि संभव नहि भ सकैत अछि।

बदलि रहल अछि युवा क सोच

चाकरी नहि, अपन कारोबार करब

बिहारक युवा बदलि रहल छथि. ओ अपन लक्ष्य तय करबाक लेल तैयार भ चुकल छथि. आइआइएम आ आइआइटी सन संस्थान पहिने प्रतिष्ठा आ धन क वर्षा लेल जानल जाइत छल, मुदा आइ एहि संस्थानक छात्र नौकरी क आसान बाट के छोड़ि बिहारक विकास लेल उद्यमक कठिन बाट पर चलबाक फैसला ल रहल छथि. संस्थान आओर सरकार हिनकर मदद लेल आगू आइल अछि.

बिना कौशलक रणनीति, विजयक धीमा रफतार अछि आओर बिना रणनीतिक कौशल पराजय स पूर्वक हंगामा थीक. आइआइएम,कोलकाता स एहि साल पास करि कए निकलल छात्र अंकुर स जखन संपर्क भेल, त ओ अपन मोबइल नंबरक संग इ वाक्य सेहो एसएमएस केलथि. अपन बैच मे अंकुर एहन छात्र छथि, जे पढ़ाई पूरा भेलाक बाद नौकरीक बजाय अपन कारोबार करबाक चुनौति स्वीकार केलथि अछि. अंकुर आइआइएम, कोलक. ाता स पूर्व आइआइटी, मुंबई क सेहो छात्र छलाह. अंकुर एहन असगर छात्र नहि छथि. आइआइएम, अहमदाबाद एहि साल जखन उद्यमिता कए बढ़ावा देबा लेल कैंपस साक्षात्कार लेल नीति बदल. बाक संकेत देलक, त 11 टा छात्र सामने एलाह. इ लोकनि साक्षात्कार मे भाग नहि लेलथि. कहल जाइत अछि जे हिनका लोकनि के एक करोड़ तक कए पैकेज देल जा रहल छल. पिछला साल आइआइएम अहमदाबाद से निकलल बेगूसराय के रहनिहार संजीव सेहो नौकरीक अपेक्षा अपन 'काज' कए स्वीकार केलथि. आइ हुनक 'सम्मान' बेगूसराय स सहित देशक 100 शहर मे पहुंच चुकल अछि. रिक्शा चालक क लेल ओ आइ एकटा उम्मीद बनी चुकल छथि. सरकार सेहो हुनक मदद लेल आगू आइल अछि. पटनाक सबटा रैन बसेरा हुनकर जिम्मा करि देल गेल अछि. एहि रैन बसेरा मे रिक्शा चालक कनिया अपन छोट-छोट दुकान चला रहल छथि. हिनक डिजाइन कैल रिक्शा लोक कए पसंद आबि रहल अछि, एहि रिक्शा मे एफएम रेडियो आ अखबार सुनवा आ पढ़वा लेल भेटैत अछि, संगहि पाइनक बोतल सेहो टका खर्च केला पर भेटि सकैत अछि. सबसे मजेदार गप इ अछि जे एहन छात्र अपन करोबार सेहो नव ढंग से शुरू करि रहल छथि. प्रतिभाशाली छात्रक इनोवेटिव आइडिया स हुनक संस्थानो रोमांचित अछि. एक्सएलआरआइ क छात्र त इनोवेटिव आइडिया के सेहो पाछू छोडि देलथि अछि. हिनक मदद लेल संस्थान सेहो आगू आइल अछि. एहन अनेक उदाहरण अछि जाहि स साफ संदेश भेट रहल अछि जे बिहारक युवा आब नौकरी कए ठुकरा रहल छथि, अपन करोबार लेल.

बिहार मे खबरक नाम पर एना कहिया तक चलत

मानचित्र आ मानस कतय बसल अछि नेपाल

एकटा नेपाल अछि हमर मानचित्र पर. भारत स सटल अछि आओर चीन स लागल अछि. नक्शा मे लकीर, व्यवहार मे चाहे कच्चा ईटाक दीवारो नहि अछि, मुदा अंतरराष्ट्रीय सीमा त अछि. चाहे आबैय-जाइ लेल कोनो वीसा नहि लगैत हुए, लेकिन झंडा आ संविधान त अलग अछि.

दोसर नेपाल हमर मानसपटल पर अछि, जे नहि त हमर छी, आ नहि हमर पड़ोसी छी. अगर अखबार कए भारतीय या बिहारी मानसपटलक दर्पण मानल जाय त नेपाल कोनो सुदूर स्थित एकटा द्वीप जेकां अछि. शायद अफ्रीका मे. एहि स्तर आ सोच स हम नेपालक अपेक्षा अमेरिका स बेसी लग छी. अमेरिका मे राष्ट्रपति चुनाव मे एखन करीब दू मास बाकी अछि, मुदा सब दिन अखबार मे ओहि ठामक किछु न किछु समाचार स्थान छैक लैत अछि, मुदा नेपाल मे जे भ रहल अछि, तेकरा लेल अखबार मे जगह कम अछि. हम बेखबर छी, एकटा एहन इतिहास रचनिहार स जे 21वीं सदीक सबस महत्वपूर्ण परिवर्तन मे एकटा कहल जा सकैत अछि. 10 अप्रैल के नेपाल मे संविधानसभाक लेल मतदान भेल. देशक हर हिस्सा मे हलचल अछि. लेकिन एतुका राजनीतिक भूकंप भारतीय मीडियाक मानसपटल क रडार पर दर्ज नहि भ सकल. ओना चुनावक दिन किछु समाचार छपल, मुदा ओ समाचार महज खानापूर्ति छल आ ओकरा एकटा एतिहासिक घटनाक रूप मे प्रसतुत करबाक प्रयास नहि कहल जा सकैत अछि. एहन समाचार त जिम्बावे आओर थाईलैंड मे होएवाला चुनाव के सेहो छापल जाइत रहल अछि.

सवाल उठैत अछि जे नेपाल हमरा स एतेक दूर कोनो भ गेल. नेपालक छोट-छोट गप पहिने हमरा लेल महत्वपूर्ण छल. राणाशाही क खिलाफ रेणु लिखैत छलाह त हमसब चाउ च पढैत छलाहु. तखन एहन सूचना क्रांति नहि छल. तइयो हम नेपाल, बांग्लादेश आ बर्मा अपन मानसपटल पर रखने छलहु. धीरे-धीरे नेपाल हमरा स दूर भेल गेल. नेपालक आधा आबादी भारत मे बसैत अछि. ओ मैथिली, भोजपुरी आ हिंदी बजैत अछि. मुदा एकर बावजूद वैश्वीकृत दुनिया कए हमर मानस पटल पर अवस्थित नेपाल मंजूर नहि छल. ओकरा चाहि पास्पोर्ट स बंधाल निष्ठा. रेणु सन भारतीय लेल आइ नेपाल स संबंध पर सफाई देब तहिना कठिन रहिते जेना सोनार बंग्ला लेल गुरुदेव स सफाई लेब.

आधुनिक दुनियाक नव निजामक खिलाफ हमर भीतरवाला नेपाल दस्तक द रहल अछि. उम्मीद अछि हमर मानसपटल पर अवस्थित नेपाल हमर मानचित्र पर अवस्थित नेपाल स समृद्ध) होइत. नेपाल मे जे किछु भ रहल अछि ओ हमरा लेल महत्वपूर्ण अछि. नेपालक कोनो परिवर्तन हमर विकास लेल महत्वपूर्ण अछि ओ केवल नफा-नुकसानक संबंध रखनिहार देशा नहि अछि.

अंक-13, साल-1, रजिस्ट्रेशन- आवेदित, स्नेह-छवि मिथिला स्कूल ऑफ आर्ट क लेल संपादक डाट वर्डप्रेस डाट काम स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित. प्रधान समदिया : छवि झा, प्रबंध समदिया : सुषमा समदिया : कुमुद सिंह*, समाचार समदिया : प्रीतिलता मल्लिक, समदिया(दिल्ली) : गिन्नी सिंह ठाकुर, समदिया(नेपाल): ममता शंकर e_mail: esamaad@gmail.com (*खबरक चयनक लेल जिम्मेदार)